

दाऊद औज़ि योनातान री दोस्ती



Bangani

दाऊद औज़ि योनातान री दोस्ती

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

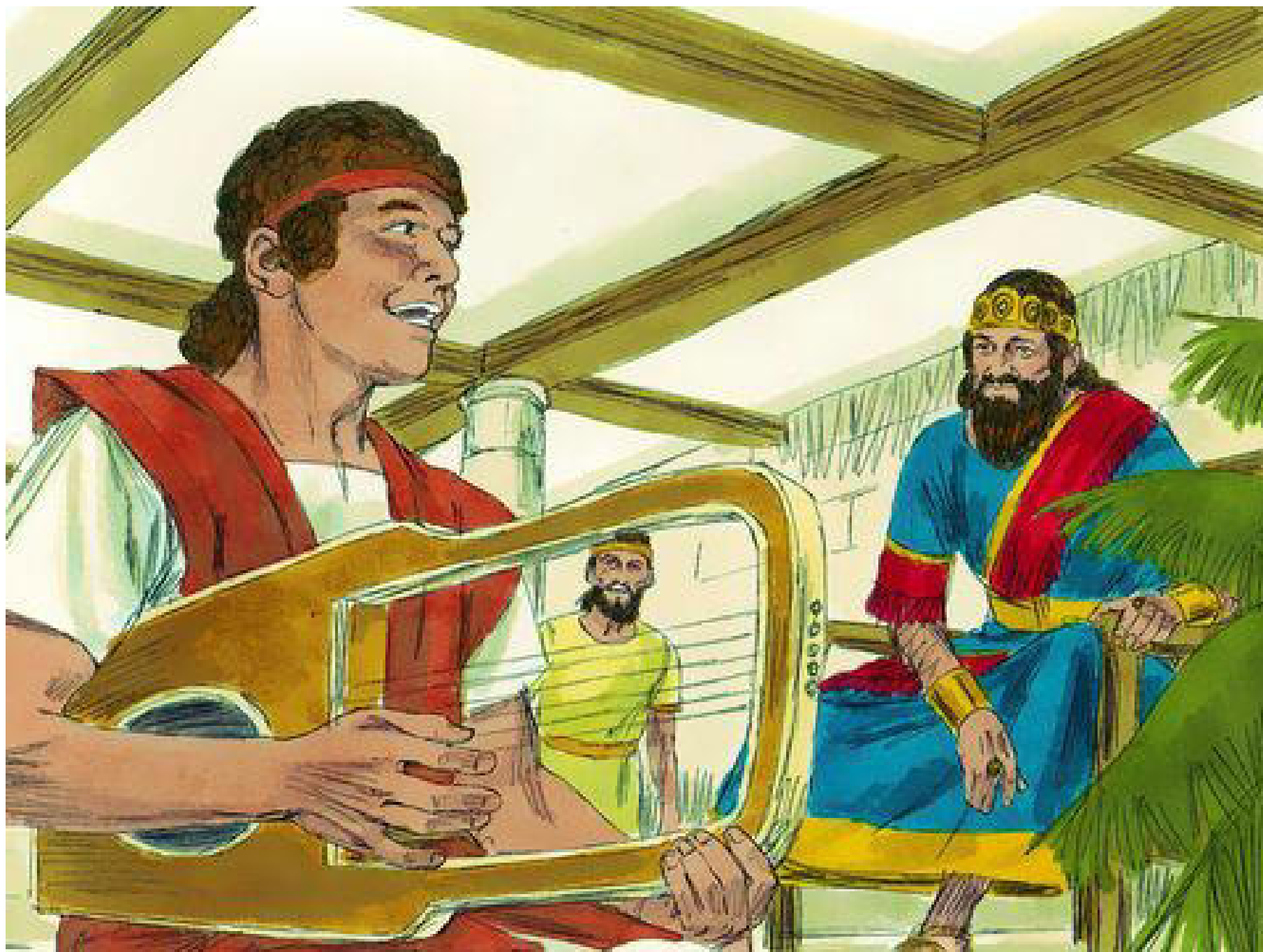
परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें दाऊद और योनातान की दोस्ती के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



दाऊदेइ ज़ौ गोलियत ज़ांगौ, तै तेस ज़ांगियौ ज़ौ सेउ
वापस शाऊल कार्डि आअ। तैबै शाऊल रौ बेटा
योनातान कै सेउ बौड़िया लागौ। तिणी सेउ आपड़ौ
बौड़िया दोस्त चाणौ औज़ि सेउ तेसकौइ प्यार
कौरदै लागौ।



योनातान रौ सेउ एत्ती बौड़िया दोस्त बौणौ कि
तिणी तेसकेखी आपड़ी तौलवार औज़ि दौणूश
देणौ। दाऊद शाऊल काई रौयै थौ औज़ि शाऊल
तेस ज़ेत्कै बी छाड़ै थौ सेउ तेत्कै औकली कौइ
काम कौरै थौ। औज़ि सारी पौरज़ा रै लोग औज़ि
कौरमच़ारी तेसकौइ खुश रौयै थै।



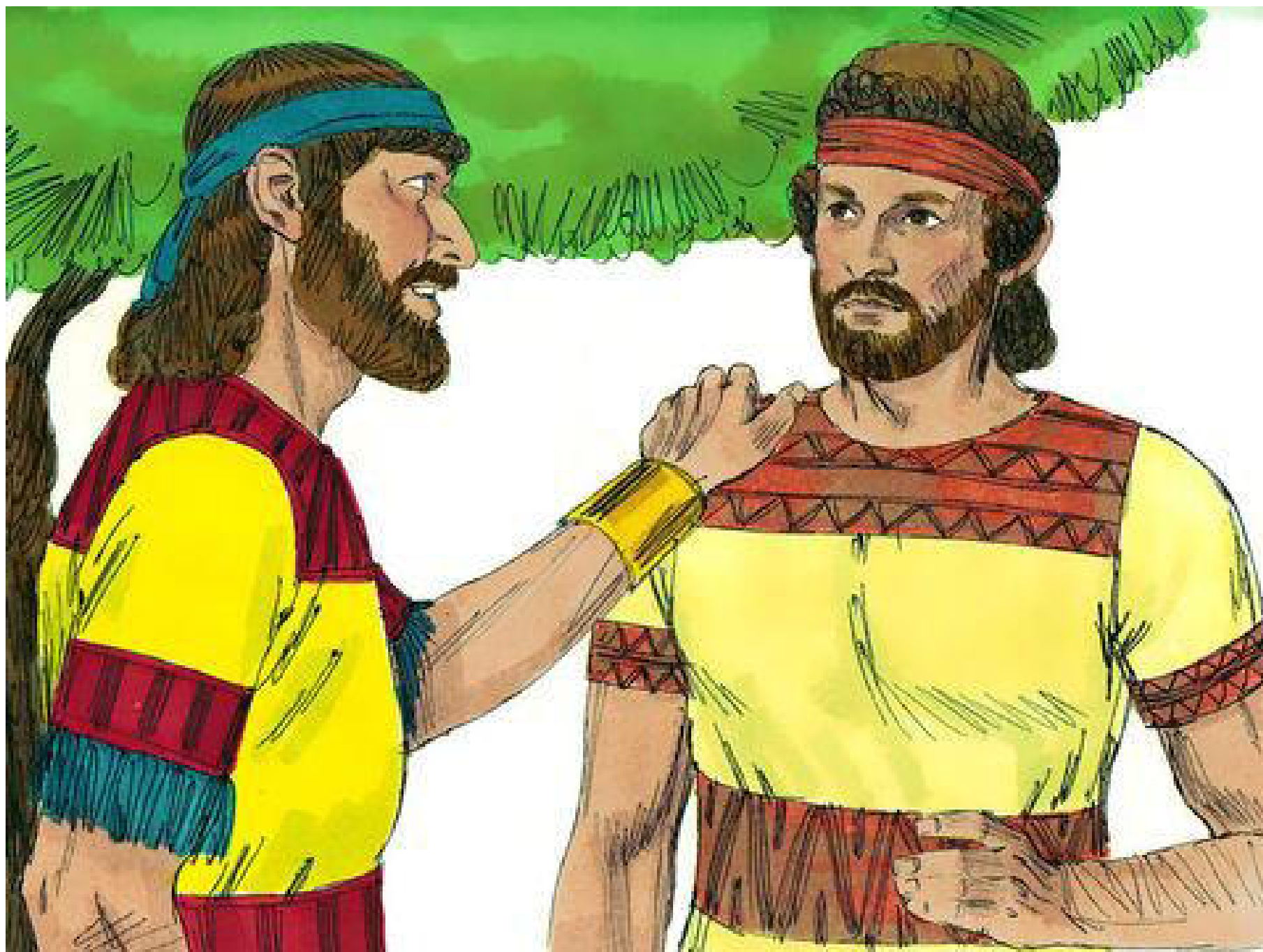
पौरजा रै लोग दाऊद री तारीफ कौरैण थै, पर एज़ी
बुशै शाऊल कै बुरी लागी। एज़ी बौजै कौइ
शाऊलेइ तेसखी रोश लागौ। तैबै सेउ दाऊदेइ
ज़ांगणै रै बारेदी सुँचदै लागौ। तैबै शाऊलेइ आपड़ौ
बेटा योनातान औज़ि आपड़ै सारै कौरमचारिऊं
आरी दाऊद ज़ांगणे खी बोलौ।



योनातान दाऊद रौ दोस्त थौ एज़ी बौज़ै कौइ
योनातानेइ दाऊद आरी बोलौ, कि मेरौ पापा ताऊं
ज़ांगणौ चाए एज़ी बौज़ै कौइ तू केथिकै बौड़िया
ज़ागा दी डेइयौ चोरुइ रौऊ। आऊं आपड़ौ पापा
आरी तेरै बारे दी बात कौरु लै, तैबै योनातानेइ
डेइयौ शाऊल आरी बोलौ, दाऊदेइ कोई बी अप्राद
ना कियौ, तिणी तै पलिश्तिन ज़ांगियौ ताऊंकै
ज़ीत देआई।



औज़ि तू तेसकौइ खुश उवौ थौ तै ऐबै तू तेस
केलाई ज़ांगणै चाए। तैबै शाऊलेइ दाऊद पोरु
छोड़ौ, तैबै सेउ औज़िपै तेसरै साथै रौन्दै लागौ, पर
एक बैरै शाऊल औज़िपै दाऊदेइ ज़ांगणै चाँए थौ पर
दाऊद तेसकौइ बौचियौ पोरु बागौ। तैबै दाऊद
डेइयौ योनातान कौइ मिलौ, औज़ि तेसारी बोलौ
कि तेरौ पापा मू केलाई ज़ांगणै चाए मुई का
अप्राद कियौ।



तैबै योनातानेइ दाऊद आरी बोलौ, ताऊं ना ज़ांगै
लौ, केलाकि मेरौ पापा मुआरी ना बोलियौ कोई बी
बौड़ौ काम औज़ि ना कोई छोटौ काम कौरदौ तैबै
दाऊदेइ योनातान आरी बोलौ, कि तेरौ पापा कै
पौतौ कि तेरी दया मुँदी एज़ी बौज़ै कौइ ऐ बुशै
ताऊंकौइ चोरियौन्दि तैबै योनातानेइ दाऊद
आरी बोलौ कि जेशौ तू बोलै लौ तेशौ आऊं
ताऊंखी कौरु।



तैबै दाऊदेइ बोलौ, कि आऊँ चोरुइ रौऊ अगर तेरौ
पापा मेरै बारै दी पुछै लौ तै एशौ बोलै कि मुई
तेसकै छुट्टी देणियौन्दि। अगर राजा कै एशौ
शुणियो रेश ना लागै लौ तै ठीकै, जौ तेस रेश लागै
लौ तै एशौ सुँचै कि तिणी मूखी ज़ांगणिखी सुँचौन्दौ,
तैबै सै एक दुजै कौइ विदा उवै।



दुजै दुसै शाऊल राज़ाइ योनातान कौइ पुछ़ौ कि
दाऊद केत्कै, तैबै योनातानेइ बोलौ कि दाऊद
मुँकौइ छुट्टी मांगियौ आपडै गौरै बैतलम खी
डैऔन्दौ तैबै शाऊल योनातान खी रोशुवौ औज़ि
तेस ज़ाँगणेखी बौरछ़ौ फिरकाअ पर योनातान
पोरु बौच़ौ। तैबै तेतकौइ डेइयौ सेउ दाऊद कौइ
मिल्दै डैअ।



तैबै योनातान दाऊद कौइ मिलौ, तै सै दुईया ज़ौणै
बौरी लेरै पर दाऊद ज़ादे लेरौ, तैबै योनातानेइ
दाऊद आरी बोलौ। तू बौड़िया कौइ पोरु डेऊ आमु
दुइयाऊं परमेश्वर रै सामणै दोस्ती री कसम
खाइयौन्दि परमेश्वर तेरै औज़ि मेरै औज़ि आमारै
वंश रै बीचे दी हमेशाइ रौए लौ, तैबै दाऊद तेतकौइ
पोरु डैअ औज़ि योनातान बी आपडै शैर खी डैअ।



शाऊल दाऊदेइ बौरी बैरै ज़ाँगणै चाअ, पर दाऊदेइ
केत्राइ बी शाऊलेइ ज़ाँगणे खी ना सूचौ। तेतबासियै
दाऊद अलग – अलग ज़ागा दी रौन्दै लागौ। ज़ौ
सेउ सिकलग दी रौयै थौ तैबै पलिश्तिन लोगु
इस्राएल रै साथै लड़ाई की। तै शाऊल औज़ि
तेसरौ बेटा योनातान औज़ि दूजै बेटा बी लड़ाई दी
पोरु मौरै।



एज़ी बुशै एक दासेइ दाऊद आरी बोली, जेशौइ
दाऊदेइ एज़ी बुशै शुणी तिणी आपडै जुड़कै चिरै
औज़ि बौरी दुखी उवौ, तिणी बियाळकै ज़ौऊं कुछ
बी ना खाओ, सेउ योनातान खी बौरी दुखी उवौ,
केलाकि सेउ योनातान कौइ बौरी प्यार कौरै थौ,
औज़ि सेउ तेसरै बौड़िया दोस्त थौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.